692

HD-05

June - Examination 2016

B.A. Pt. III Examination

आधुनिक काव्य

Paper - HD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन खंडों अ, ब और स में विभाजित है। 'अ' खंड अतिलघुत्तरात्मक है, खंड 'ब' लघुत्तरात्मक और खंड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित है।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित एक लंबी कविता का नाम लिखिए।

(ii) कंनुप्रिया नामक खण्ड काव्य के रचनाकार कौन है?

(iii) 'लुकमान अली' नामक लम्बी कविता के रचनाकार कौन है?

(iv) 'महाप्रस्थान' में किन समस्याओंको चित्रित किया गया है?

(v) सुमित्रानंदन पंत का जन्म कब हुआ?

(vi) हरिवंशराय बच्चन की किन्हीं 4 रचनाओं के नाम लिखिए।

(vii) 'प्रवाद पर्व' किस कथा पर आधारित खंडकाव्य है?

(viii) निराला के किन्हीं दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(ix) 'दो चट्टानें' संग्रह में कुल कितनी कविताएं हैं?

(x) आधुनिक काल का प्रथम चरण किस नाम से जाना जाता है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2) हिंदी साहित्य पर ब्रिटिश नीतियों के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

3) आधुनिकता का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइये कि आधुनिक काल का आरंभ कब से माना जाए और क्यों?

4) खंड काव्य की परंपरा व विकास का वर्णन कीजिए।

5) परिवर्तन कविता के अनुभूति पक्ष का वर्णन कीजिए।

6) सरोज स्मृति में वर्णित निराला के संघर्ष पर प्रकाश डालिए।

7) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
बावड़ी की उन घनी गहराइयों में शून्य
ब्रह्मराक्षस एक पैठा है।
व भीतर से उमड़ती गूंज की भी गूंज
हड़बड़ाहट–शब्द पागल से।
गहन अनुमानिता

तन की मलिनता
दूर करने के लिए, प्रतिपल
पाप–छाया दूर करने के लिए दिन–रात
स्वच्छ करने
ब्रह्मराक्षस
घिस रहा है देह
हाथ के पंजे बराबर
बांह छाती मुंह छपाछप
खूब करते साफ
फिर भी मैल
फिर भी मैल!!

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
देहर पर पाषाण का
गुरू भार ढोते
संतुलित करते उसे फिर
और फिर उससे
बराबर खेल करते
खुद हुआ पाषाण वह
कुछ नहीं उद्देश्य उसका
अर्थ उसका
ध्येय उसका
सिर्फ सक्रिय हर समय रहता
स्वचलित यंत्र जैसे
और वह अपनी महादयनीय स्थिति से
बेखबर है।

9) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मौन रहो और प्रतीक्षा करो
मौन रहो और प्रतीक्षा करो
यह मंत्र दोहराता दोहराता
मैं नाव से उतरता हूँ
और बिना उसकी ओर देखे
तेजी से इन इमारतों के बगल से गुजर जाता हूँ
जिन पर सत्यमेव जयते को खरोच कर
लिखा हुआ है: सब चलता है
दिल्ली की इन सड़कों पर।।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) लंबी कविता परंपरा और विकास विषय पर एक लेख लिखिए।

11) निराला के जीवन और काव्य संसार का वर्णन कीजिए।

12) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

13) प्रवाद पर्व का भाव पक्ष वर्णित की कीजिए।

———